पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–(व्यवहारिक कला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

सेमेस्टर (प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ)

Time- 3 Hours

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें सौन्दर्य शास्त्र का पाठ्यक्रम)	100
2	द्वितीय प्रश्नपत्र –विजुवल कम्युनिकेशन	100
	प्रायोगिक विषय–	
1	ड्राइंग / स्केच	100
2	ग्राफिक कम्युनिकेशन / इलेस्ट्रेशन	100
3	डिस्प्ले	50
4	पोर्टफोलियो	50
		500

Fine Art- M.F.A-Applied Art- Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–प्रथम खण्ड (व्यवहारिक कला)

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें सौन्दर्य शास्त्र का पाठ्यक्रम)

द्वितीय प्रश्नपत्र–विजुअल कम्युनिकेशन (सैद्वान्तिक)

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

द्वितीय प्रश्नपत्र–विजुअल कम्युनिकेशन (सैद्वान्तिक)–

यूनिट–1

1. **विज्ञापन कला**–उत्पत्ति, अर्थ,परिभाषा,आवश्यकता, उपयोगिता।
2. **फोर पी**–
   अ–जनसम्पर्क (Public Relation)।
   ब–प्रोपोगण्डा (एक पक्षीय संप्रेषण) ।
   स–प्रचार (Publicity)।
   द–योजना (Planning)।
3. **ले आउट– अ–**ले आउट के तत्व।
   ब– विज्ञापन और प्रचार।

यूनिट–2

1. विज्ञापन के माध्यम या साधन (Means of Advertisement or Advertising Media)– आउट डोर विज्ञापन, इनडोर विज्ञापन।
2. विज्ञापन के साधनों का वर्गीकरण।
3. **विज्ञापन के भेद–**अनुनय, ज्ञानप्रद संस्थानीय, वित्तीय, वर्गीकृत, फुटकर, औद्योगिक, राजकीय, सहकारी, व्यापारिक विज्ञापन।

यूनिट–3

1. **ब्राण्ड–** ब्राण्ड नेम वस्तु एवं ब्राण्ड की छवि।
2. उपभोक्ताओं पर ब्राण्ड का प्रभाव (भारतीय एवं विदेशी)।
3. खरीद पर प्रभाव।
4. ब्राण्ड एम्बेसडर।

यूनिट–4

1. विज्ञापन सम्प्रेषण और सामाजिक मनोविज्ञान।
2. समाज का आर्थिक वर्ग विभाजन।
3. सामाजिक समूह।
4. कम्युनिटी रोल ऑफ फेमिली।
5. विज्ञापन का मनोवैज्ञानिक प्रयोग।

सन्दर्भ पुस्तकें–

1- विपणन विक्रय कला एवं विज्ञापन–आर0एन0चतुर्वेदी (हिन्दी)।
2- विज्ञापन माध्यम एवं प्रचार–विजयकुल श्रेष्ठ,प्रतुल अथइया (हिन्दी)।
3- आधुनिक विज्ञापन कला–डा0 अनूप कुमार घोष।
4- Advertisement- B.N. Ahuja (English).
5- Sengupta- Cases in Advertising Communication.
6- Sandage, Fryburger & Rotzoll- Advertising Theory & Practices (11th Edition)

पाठ्यक्रम
एम0एफ0ए0–प्रथम खण्ड (व्यवहारिक कला)
द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें सौन्दर्य शास्त्र का पाठ्यक्रम)

द्वितीय प्रश्न पत्र–विज्ञापन एवं मार्केटिंग

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

द्वितीय प्रश्न पत्र–विज्ञापन एवं मार्केटिंग –सैद्वान्तिक

यूनिट–1.

- **विज्ञापन एवं प्रबन्धनः–** विज्ञापन माध्यम, विज्ञापनों हेतु माध्यमों का चयन,प्रेस विज्ञापन, मनोरंजक विज्ञापन, वाह्य विज्ञापन, डाक विज्ञापन, प्रत्यक्ष विज्ञापन, विक्रय केन्द्र विज्ञापन, विविध विज्ञापन, आकाशवाणी और दूरदर्शन विज्ञापन, इण्टरनेट विज्ञापन, एस0एम0एस0 विज्ञापन।
- **जनमाध्यम और विज्ञापनः–** विज्ञापन व्यवसाय, पत्रकारिता विज्ञापन और प्रचार, विज्ञापन से लाभ।

यूनिट–2.

- विज्ञापन का उद्धेश्य, विज्ञापन का दायित्व, विज्ञापन के गुण, विज्ञापन की सफलता, विज्ञापन का दोष।
- आधुनिक एस.एल0आर0, एस0एल0डी0, एस0एल0डी0टी0 कैमरा।
- विज्ञापन में फोटोग्राफी का महत्व।
- विज्ञापन और भूमण्डलीकरण।

यूनिट–3

- **विक्रय प्रवर्तनः–** विज्ञापन एवं विक्री प्रवर्तन, जनसंख्या का घनत्व, विक्रय क्षेत्र की लागत, वितरण पद्यति।
- बिक्रेता की योग्यता, उत्पादन का स्वभाव, उत्पादन का मूल्य, प्रथा एवं परम्पराएँ।

यूनिट–4.

- **विपणन योजना**– उत्पादों की संख्या विक्रय नीतियॉ, उपभोक्ता या बाजार सम्बन्धी तत्व।

सन्दर्भ पुस्तकें–

1. विपणन विक्रय कला एवं विज्ञापन – आर0एन0 चतुर्वेदी।
2. एडवरटाइजमेन्ट–बी0एन0 आहुजा (अंग्रेजी)।
3. विज्ञापन माध्यम एवं प्रचार, विजयकुल श्रेष्ठ, प्रतुल अथइया।
4. आधुनिक विज्ञापन कला, डॉ0 अनूप कुमार घोष।
5. आधुनिक विज्ञापन–डॉ0 प्रेमचन्द्र पन्तजलि।
6. विज्ञापन कला–एकेश्वर प्रसाद हटवाल।
7. Advertising- What it is and How to do it- Roderick while.
8. Asker & Myers- Advertising Management.
9. Boyd & Newman-Advertising Management Selected Readings.

पाठ्यक्रम
एम0एफ0ए0–द्वितीय खण्ड (व्यवहारिक कला)
तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें सौन्दर्य शास्त्र का पाठ्यक्रम)
द्वितीय प्रश्न पत्र–विज्ञापन कला एवं विपणन अनुसंधान

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

द्वितीय प्रश्न पत्र–विज्ञापन कला एवं विपणन अनुसंधान– सैद्वान्तिक

यूनिट–1

- **विज्ञापन डिजाइन एवं कलाः–** विज्ञापन ले आउट की अभिकल्पना, कला निर्देशक एवं कापी लेखक के सम्बन्ध।
- अमूर्त विचारों के मूर्तन की कला, विज्ञापन संयोजन के विभिन्न सोपान ।

यूनिट–2

- **विपणन अनुसंधान**–विपणन अनुसंधान की परिभाषा, बाजार विश्लेषण, विक्रय विश्लेषण, उपभोक्ता।
- अनुसंधान, विज्ञापन अनुसंधान।

यूनिट–3

- **विपणन अनुसंधान का क्षेत्र–**बाजारों का अनुसंधान,उत्पादों और सेवाओं का अनुसंधान।
- विक्रय विधियों और नीतियों का अनुसंधान, विज्ञापन का अनुसंधान।

यूनिट–4

- विपणन अनुसंधान के लाभ या महत्व, नई उत्पादों का उत्पादन, वस्तुओं के नये उपयोग, वस्तुओं में सुधार, मांग का ज्ञान, नये सम्भावित बाजारों की खोज।
- प्रतिस्पर्धा की स्थिति में स्थायित्व,
- विपणन अनुसंधान के मूल तत्व–उत्पाद विश्लेषण, बाजार विश्लेषण, प्रतिस्पर्धा विश्लेषण।

सन्दर्भ पुस्तकें–

1. एकेश्वर प्रसाद हटवाल–विज्ञापन कला।
2. आर0एन0चतुर्वेदी–विपणन विक्रय कला एवं विज्ञापन
3. Anand Bhaskar Halve- Planning for Power Advertising.
4. Rathor-Advertising Management.
5. Bovee & Arens & Advertising.
6. Chunawala & Sethia- Foundations of Advertising Theory & Practice.

Fine Art-M.F.A-Applied Art-Syllabus

पाठ्यक्रम
एम0एफ0ए0–द्वितीय खण्ड (व्यवहारिक कला)
चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें सौन्दर्य शास्त्र का पाठ्यक्रम)
द्वितीय प्रश्न पत्र –विज्ञापन, बाजार एवं एजेन्सी

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

द्वितीय प्रश्न पत्र –विज्ञापन, बाजार एवं एजेन्सी– सैद्वान्तिक

यूनिट–1

- बाजार विभक्तीकरण, बाजार का अर्थ।
- बाजार विभक्तीकरण की परिभाषा, उद्वेश्य, आधार अथवा मापदण्ड।
- बाजार शब्द की परिभाषा।

यूनिट–2

- **विज्ञापन अभिकरण–**विज्ञापन अभिकरण के कार्य, विज्ञापन और दृश्य प्रचार, निदेशालय।
- एजेन्सी प्रतिपूर्ति, विज्ञापन एजेन्सी के अभिकर्ता, अनषांगिक एवं मुक्त सेवायें।

यूनिट–3

- मुद्रण कला का इतिहास, भारतीय, चीन, जापान, क्षेत्र, वर्गीकरण, स्थान, कार्य प्रणाली और सामग्री।
- टाइप और उसके प्रकार, टाइप के फान्ट, ग्राफिक संप्रेषण, मुद्रण यंत्र, लीथोग्राफी, आफसेट, कम्प्यूटर प्रिन्टर।

यूनिट–4

- फोटो प्रत्रकारिता (प्रेस एवं मैगजीन इलेक्ट्रानिक मीडिया)।
- विज्ञापन में फोटोग्राफी का महत्व एवं प्रभाव (प्रिन्ट मीडिया एवं प्रभाव, इलेक्ट्रानिक मीडिया)।
- विज्ञापन में कम्प्यूटर का प्रभाव।

सन्दर्भ पुस्तकें–

1. Dunn & Barban- Advertising Its Role in Modern Marketing.
2. Borden & Marshell- Advertising Management.
3. Otto Kelppner- Advertising Procedure.
4. Rosenberg- Marketing.
5. Chhabia & Grover- Marketing Management.
6. **श्री छविनाथ पाण्डेय– मुद्रण कला।**

Fine Art- M.F.A- Applied Art- Syllabus

प्रायोगिक विषय

नोट–

1. मूल प्रायोगिक विषय (दो) में किसी एक विषय लेना अनिवार्य होगा।
2. ड्राइंग/स्केच अनिवार्य विषय है।
3. अपने विषय के अध्यापक/अध्यापिका के निर्देशन में दो वर्ष तक प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में कार्य करना होगा। जिसके लिए अध्यापक/अध्यापिका की स्वीकृति अनिवार्य होगा/होगी।
4. छात्र/छात्राओं को चारों सेमेस्टर में से किसी एक सेमेस्टर में प्रेस एवं विज्ञापन एजेन्सी में कम से कम एक माह का कार्य अनुभव लेना होगा। साथ ही सर्टिफिकेट भी लेना होगा जो विभाग में जमा करना होगा।
5. अपने कार्य तथा विज्ञापन एजेन्सी एवं प्रकाशक के पास कार्य के समय का पोर्टफोलियों बनाना अनिवार्य है।
6. अपने कार्यो की एक समूह प्रदर्शनी अनिवार्य रूप से चतुर्थ सेमेस्टर में करना/करनी होगी।
7. सभी छात्र–छात्राओं द्वारा प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में सेमिनार का आयोजन करना होगा जिसका खर्च स्वंय करना होगा।
8. सैद्धन्तिक एवं प्रायोगिक कक्षा में 75 % उपस्थिति अनिवार्य है अन्यथा वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित नही होने दिया जाएगा।

क0सं0	प्रायोगिक विषय	अंक
1.	विजुअल कम्युनिकेशन/इलास्ट्रेशन–**(चयनित विषय)**	100
2.	ड्राइंग स्केच–	100
3.	डिस्प्ले– (आन्तरिक मूल्यांकन)	50
4.	पोर्टफोलियो–(आन्तरिक मूल्यांकन)	50
		300
1	**विजुअल कम्युनिकेशन**	
a	कैम्पेन प्लानिंग एवं विज्ञापन डिजाइन।	
b	प्रोडक्ट डिजाइन एवं पैकेजिंग डिजाइन।	
c	लोगो।	
d	कारपोरेट विज्ञापन।	
e	आधुनिक विज्ञापन में आदिवासी प्रभाव।	

a- **कैम्पेन प्लानिंग एवं विज्ञापन डिजाइन**– किसी प्रोडक्ट पर आधारित या सामाजिक विषय पर आधारित होगा उसी के अनुसार सम्पूर्ण विज्ञापन डिजाइन तैयार होगा। (दो सेमेस्टर के बाद दूसरे विषय पर काम करना होगा)।

b- **प्रोडक्ट डिजाइन एवं पैकेजिंग डिजाइन**– में नये प्रोडक्ट का डिजाइन विभिन्न प्रकार से तैयार करना होगा, साथ ही उसके पैकेजिंग का डिजाइन भी करना होगा। (मार्केट में स्थापित उसी प्रकार के प्रोडक्टो का सर्वे करने के उपरान्त ही जो रिपोर्ट तैयार करना होगा उसी आधार पर निदेशक से चर्चा के उपरान्त ही डिजाइन तैयार करना होगा। साथ ही उसका विज्ञापन किन–किन माध्यमों में होगा और ये भी तय करते हुए कैम्पेन प्लानिंग तैयार करना होगा जो प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में प्रदर्शित होगा, जिस पर अंक निर्धारित होगें)

c- **लोगो–** विभिन्न कम्पनियों का लोगो डिजाइन जो कारपोरेट विज्ञापन एवं कैम्पेन प्लानिंग में प्रयोग होगा।

d- **आधुनिक विज्ञापन में आदिवासी प्रभाव**–विज्ञापन में कहीं–कहीं आदिवासी कलाओं का प्रभाव भी दर्शाना होगा और उसे आधुनिक रूप देना होगा।

इलेस्ट्रेशन–

विभिन्न प्रकार के बुक इलेस्ट्रेशन, मानवाकृतियों, कहानी चित्रण, कवर स्टोरी, कार्टून (सामाजिक, राजनैतिक एवं खेल)।

कवर डिजाइन–

किसी प्रकाशक के यहॉ से छपी किताब पर आधारित होना चहिये और वही से छपी भी हो जिसकी एक प्रति सत्रीय कार्य के साथ परीक्षा में जमा करना अनिवार्य होगा साथ ही किसी प्रकाशक के पास एक महीने का कार्य अनुभव प्रमाण–पत्र होना आवश्यक है।

ड्राइंग / स्केच (अनिवार्य)– चारों सेमेस्टर हेतु ।

1. फुलफिगर ड्राइंग संख्या – 10 प्रति।
2. हाफ फिगर ,, – 10 प्रति।
3. स्केच –विल्डिंग, स्टेशन, मानवाकृतियों, पशुपक्षियों, दृश्यचित्र, विभिन्न प्रकार के मशीनों आदि का स्केच आदि।

Fine Art- M.F.A- Applied Art- Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–प्रथम खण्ड (चित्रकला/व्यवहारिक कला एवं मूर्तिकला)

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- सौन्दर्य शास्त्र एवं समीक्षाशास्त्र के मध्य तुलना।

यूनिट–II

- भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की अवधारणा।

यूनिट–III

- कला का समाज पर प्रभाव।

यूनिट–IV

- कला का राट्रीय चरित्र।

सौन्दर्य ग्रन्थ–

- Heinrich Zimmen-Myths & Symbols in Indian Art & Civilization.
- K.C. Pandey- Indian Aesthetics, Vol-I.
- A.K.Coomaraswany-Transformation of Nature in Art.
- Pramod Chandra- On the study of Indian Art.
- सी0 शिवमूर्ति– विष्णुधर्मोत्तरपुराण का चित्रसूत्र।
- A.K.Coomaraswany-Selected Paper,Vol-I & II,(ed)R.Lipscy.
- भानु अग्रवाल–भारतीय चित्रकला के मूल श्रोत (हिन्दी)।
- वासुदेव शरण अग्रवाल– भारतीय कला (हिन्दी)।
- सीताराम चतुर्वेदी–अभिज्ञान शाकुन्तलमए (हिन्दी)।
- भरतमुनि– नाट्यशास्त्र (हिन्दी)।
- क्रान्तिचन्द्र पाण्डेय–स्वतंत्र कला शास्त्र (भाग–एक,दो, हिन्दी)।
- कुमार विमल–सौन्दर्य शास्त्र के तत्व (हिन्दी)।
- सुरेन्द्रनाथ दास गुप्ता (अनु.डॉ0 आनन्द प्रकाश दीक्षित)– सौन्दर्य तत्व (हिन्दी)।
- प्रियवाला शाह–विष्णुधर्मोत्तर (हिन्दी)।
- अनु.पारूल देव मुखर्जी–विष्णुधर्मोत्तर पुराणम् चित्रसूत्रम, (हिन्दी)।

Fine Art-Painting-Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–प्रथम खण्ड (चित्रकला/व्यवहारिक कला एवं मूर्तिकला)

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- कला की सामाजिक चेतना एवं यथार्थ व्यक्तित्व,वर्ग,राट्रीयता और परिवेशीय आधार।

यूनिट–II

- कला का मनोवैज्ञानिक कलात्मक विचार।

यूनिट–III

- कलात्मक सृजन का मनोवैज्ञानिक क्रियाकलाप।

यूनिट–IV

- कला का वस्तुजनित विचार।

सन्दर्भ ग्रन्थ–

- K.C. Pandey-western Aesthetics, Vol-II.
- P.K & Agrawal- Indian Aesthetics.
- **पद्मा अग्रवाल–प्रतीक वाद** (हिन्दी)।
- **भानु अग्रवाल– भारतीय चित्रकला के मूलश्रोत**(हिन्दी)।
- **वासुदेव शरण अग्रवाल– भारतीय कला**(हिन्दी)।
- **कुमार विमल–कला विवेचन** (हिन्दी)।

Fine Art - Painting-Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–प्रथम खण्ड (चित्रकला/व्यवहारिक कला एवं मूर्तिकला)

तृतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- भारतीय कला की मूल प्रवृत्ति।

यूनिट–II

- पूर्वाद्व और पाश्चात्य सौन्दर्य शास्त्रीय प्रतिमानों का संक्षिप्त तुलनात्मक अध्ययन।

यूनिट–III

- कला का वैश्वीकरण।

यूनिट–IV

- सृजनात्मकता सम्बन्धित कुछ विचार–
- **क–** भाव, **ख– कल्पना, ग**– प्रेरणा,**घ**– अंतश्चेतना, **ड.–**अनुकरण।

सन्दर्भ ग्रन्थ–

- Stella Kramrisch- Explring India`s Sacred Art.
- भानु अग्रवाल– भारतीय चित्रकला के मूलश्रोत (हिन्दी)।
- वासुदेव शरण अग्रवाल– भारतीय कला (हिन्दी)।
- ब्रजभूषण श्रीवास्तव– प्राचीन भारतीय प्रतिमा विज्ञान एवम् मूर्तिकला (हिन्दी)।
- राजेन्द्र वाजपेय–सौन्दर्य (हिन्दी)।
- प्रभाशंकर ओ–सम्पूर्ण– शिल्प संहिता (हिन्दी)।

Fine Art Painting-Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–प्रथम खण्ड (चित्रकला/व्यवहारिक कला एवं मूर्तिकला)

चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- रविन्द्रनाथ टैगोर, अरविन्दनाथ टैगोर, नन्दलाल बोस,
- विनोद विहारी मुखर्जी, के0जी0 सुब्रमण्यम।

यूनिट–II

- गुलाम मोहम्मद शेख, जे0 श्वामीनाथन,
- विकास भटट्ाचार्या सैय्यद हैदर रजा।

यूनिट–III

- क्लाउडे मोने, पाल सेजॉ, पाल गोगा।

यूनिट–IV

- विंसेन्ट वॉनवाग, हेनरीमातिस, पाब्लो पिकासो, पॉल क्ले।

सन्दर्भ ग्रन्थ–

- आत्मा का ताप– सैय्यद हैदर रजा।
- Close to event- विकास भटट्ाचार्या।
- K.G. Subramanyam & The Living Tradition.
- K.G. Subramanyam & Moving Focus.
- B.B. Mukherjee & Chitrakar the Artist, (tr.K.G. Subramanyam).
- Special J.I.S.OA Volume on A.N.

Fine Art- Painting-Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर (चित्रकला)

प्रथम प्रश्नपत्र– सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें पाठ्यक्रम)

द्वितीय प्रश्नपत्र–चित्रकला का इतिहास

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- आधुनिक पाश्चात्य चित्रकला की पूर्व पिठिका नव शास्त्रीय वाद।
- यथार्थवाद, स्वच्छतावाद, प्रभाववाद, उत्तर प्रभाववाद, नवप्रभाववाद।

यूनिट–II

- फाववाद।
- घनवाद।

यूनिट–III

- अभिव्यंजनवाद।
- दादावाद।

यूनिट–IV

- अतियथार्थवाद।
- भविश्यवाद।

नोट–

डिस्प्ले –सेमेस्टर के दौरान अपने किये कार्यो का प्रदर्शन एवं कम से कम 20 पेज का अपने कार्यो का परिचय।

चयनित विषय–सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थी अपने **व्यक्तिक** रूपकार अभिप्राय अवधारणा के साथ प्राथमिक रेखाकंन, लेआउट और निसर्गचित्र का विकाश करेगें। (05 कार्य)।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

सन्दर्भ ग्रन्थ–

- H.H. Arnason-History of Modern Art.
- Modern Brion-Modern Painting From Impressionism to Abstract Art.
- रवी साकलकर–आधुनिक चित्रकला का इतिहास।

Fine Art - Painting-Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर (चित्रकला)

प्रथम प्रश्नपत्र– सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें पाठ्यक्रम)

द्वितीय प्रश्नपत्र–चित्रकला का इतिहास

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- भारतीय आधुनिक चित्रकला की पूर्व पीठिका– कम्पनी शैली, लोक एवं जनजातियकला की प्रवृत्तियॉ, लोक संस्कृति के विभिन्न आयाम, समाजिक परिपेक्ष्य एवं कला।

यूनिट–II

- भारतीय चित्रकला का पुनर्उत्थान– राजा रवि वर्मा, बंगाल स्कूल एवं बाम्बे स्कूल।

यूनिट–III

- समकालीन भारतीय कला पर पाश्चात्य कला का प्रभाव रविवर्मा, अमृता शेरगील, जे0एम0 अहिवासी, अवनीन्द्रनाथ, गगनेन्द्रनाथ एवं नन्दलाल बोस।

यूनिट–IV

- **20** वीं शताब्दी के समकालीन कला परिदृश्य एवं विभिन्न कलाकार समूह–प्रोग्रेसिव कलाकार समूह, कलकत्ता समूह, दिल्ली शिल्पी चक्र, चोल मण्डल समूह दक्षिण भारत।

प्रायोगिक–

डिस्प्ले– सेमेस्टर के दौरान अपने किये सृजित कार्यो का प्रदर्शन ।

चयनित विषय– संयोजन– सेमेस्टर के अन्त में विद्यार्थी अपने सृजित कार्यो का प्रदर्शन और साथ ही पोर्टफोलियों भी प्रस्तुत करना होगा। **(05 कार्य)।**

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

सन्दर्भ ग्रन्थ–

- आर्य अग्रवाल–समकालीन भारतीय चित्रकला का इतिहास

Fine Art-Painting-Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–तृतीय सेमेस्टर (चित्रकला)

प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें पाठ्यक्रम)

द्वितीय प्रश्नपत्र–चित्रकला का इतिहास

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- अमूर्त चित्रकला, अमूर्त अभिव्यजंना वाद।
- फन्ताशी के दूत–मार्क शेगास, हेनरी जार्ज रूसो।

यूनिट–II

- पॉप आट।
- ऑफ आर्ट।

यूनिट–III

- संरचनावाद।
- सुद्धिवाद।
- सुप्रिमैटिज्म।

यूनिट–IV

- आरप्रिज्म।
- काइनेटिक आर्ट
- सिन्क्रोनिज्म।

प्रायोगिक–

डिस्प्ले– सेमेस्टर के अन्त में विद्यार्थी अपने सृजित कार्यो का सृजनात्मक प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रस्तुत करेगें।

चयनित विषय– संयोजन– सेमेस्टर के अन्त में विद्यार्थी अपने सृजित कार्यो का प्रदर्शन और साथ ही पोर्टफोलियों भी प्रस्तुत करना होगा। **(05 कार्य)।**

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

Fine Art- Painting-Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–चतुर्थ सेमेस्टर (चित्रकला)

प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें पाठ्यक्रम)

द्वितीय प्रश्नपत्र–चित्रकला का इतिहास

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- **भारतीय समकालीन चित्रकला के प्रतिनिधि कलाकार–** शैलोज मुखर्जी, एन0एस0 बेन्द्रे, जी0आर0सन्तोष, गणेश पाईन, विमलदास गुप्ता।

यूनिट–II

- रामकुमार, विकाश भट्टाचार्या, लक्ष्मणपै, ए रामचन्द्रन, गुलाम शेख।

यूनिट–III

- अंजलि इलामेनन्, अपर्णाकौर, बी0 प्रभा, मनुपारिख, मंजित बावा, अनुपम सूद।

यूनिट–IV

- सोमनाथ होर, दीपक बनर्जी, दीलिपदास गुप्ता, जेागेन चौधरी, बिवान सुन्दरम आदि।

प्रायोगिक–

डिस्प्ले– समस्त चित्रकला के विद्यार्थियों के अपने चित्रों का एकल अथवा अपने ही समूह की सामूहिक प्रदर्शनी अनिवार्य है।

- प्रदर्शनी विभागाध्यक्ष के संज्ञान में होना अनिवार्य है।
- प्रदर्शनी विभागीय कला दीर्घा को छोड़कर अन्यत्र कही भी आयोजित की जा सकती हैं।
- प्रदर्शनी आयोजन का कैटलाग एवं पेपर कटिंग का साक्ष्य विभागा में जमा करना अनिवार्य होगा।

चयनित विषय– संयोजन– सेमेस्टर के अन्त में विद्यार्थी अपने सृजित कार्यो का प्रदर्शन और साथ ही पोर्टफोलियों भी प्रस्तुत करना होगा। (**05 कार्य)**।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

Fine Art Painting Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–प्रथम खण्ड (मूर्तिकला)

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें पाठ्यक्रम)

पूर्णांक–100

द्वितीय प्रश्न पत्र–मूर्तिकला का इतिहास **समय– 03 घण्ट**

यूनिट–1.

मूर्तिकला का इतिहास (यूरोप 20वीं सदी)।

यूनिट–2.

पाश्चात्य मूर्तिकला में आधुनिक विचार की उत्पत्ति।

यूनिट–3.

प्रमुख प्रवृत्तियॉ– धनवादी मूर्तिकला और प्रमुख कलाकार, आर्चीपेंको, पिकासो, लिपचित, हेनरीलारेन्स, जाडकिन।

यूनिट–4.

संरचनावाद और प्रमुख कलाकार, टाटलिन, रोडचेंको, नोमगेबों, पेवसनर, मोहोली नागी।

M.F.A-First Year-Sculpture

First Semester

Second Paper-History of Sculpture

Max.Marks-100
Time- 3 Hours

Unit-1

History of Sculpture (Europe 20th Century)

Unit-2

The origin of Modern Concept in western Sculpture.

Unit-3

Cubistic Sculpture and main Artist :- Archipenco, Picasso,Lipchiz, Henarylaurance, Jadkin.

Unit-4

Coustructivist Sculpture and main Artist- Tatlin, Roadchenco, Noumgabo, Pvsoner, Moholi Nagi.

Fine Art- M.F.A-Syllabus

प्रायोगिक
एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर (मूर्तिकला)

क0सं	विषय का नाम	अंक
1.	विभिन्न माध्यम में मूर्तियों का निर्माण (प्लास्टर आफ पेरिस, टेराकोटा,फाइबर ग्लास)	100
2.	ड्राइंग एवं स्केच	100
3.	प्रायोगिक कार्य का प्रदर्शनी	50
4.	पोर्टफोलियों	50
		300

M.F.A-First Year-Sculpture
First Semester

S.N.	Subject Name	अंक
1	Sculpture in different medium (Plaster of Paris, Terracotta, Fiberglass)	100
2	Drawing & Sketch	100
3	Display of work	50
4	Portfolio (Internal Valuation)	50
		300

Fine Art- M.F.A-Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–प्रथम खण्ड (मूर्तिकला)

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें पाठ्यक्रम)

द्वितीय प्रश्न पत्र–मूर्तिकला का इतिहास

अंक–100
समय– 03 घण्टा

यूनिट–1.

दादावादी प्रवृत्ति एवं कलाकार।

यूनिट–2.

भारतीय मृर्तिकला पर पाश्चात्य मूर्तिकला का प्रभाव।

यूनिट–3.

पाश्चात्य मूर्तिकला में यर्थाथवादी प्रवृत्तियॉ।

यूनिट–4.

विभिन्न माध्यमों में कार्य करने वाले मूर्तिकार।

M.F.A-First Year-(Sculpture)

Second Semester

Second Paper -History of Sculpture

Marks 100
Time 3 Hours

Unit-1

Dadaistic Attitude and Artist.

Unit-2

Influence of western Sculpture on Indian Sculpture.

Unit-3

Realistic Attitude in Sculpture.

Unit-4

Artist of many mediums..

Fine Art- M.F.A - Syllabus

प्रायोगिक–पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर (मूर्तिकला)

क्र0सं	विषय का नाम	अंक
1.	विभिन्न माध्यम में मूर्तियों का निर्माण (टेराकोटा,फाइबर ग्लास)	100
2.	ड्राइंग एवं स्केच	100
3.	प्रायोगिक कार्य का प्रदर्शनी	50
4.	पोर्टफोलियों	50
		300

M.F.A-First Year-Sculpture

Second Semester

S.N.	Subject Name	अंक
1	Sculpture in different medium (Terracotta, Fiberglass)	100
2	Drawing & Sketch	100
3	Display of work (Internal Valuation)	50
4	Portfolio (Internal Valuation)	50
		300

Fine Art- M.F.A-Syllabus

पाठ्यक्रम
एम0एफ0ए0–द्वितीय खण्ड (मूर्तिकला)
तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें पाठ्यक्रम)
द्वितीय प्रश्न पत्र–आधुनिक एवं समकालीन भारतीय मूर्तिकला का इतिहास

अंक–100
समय– 03 घण्टा

यूनिट–1.

भारतीय मूर्तिकला में आधुनिक विचार की उत्पत्ति।

यूनिट–2.

प्रमुख प्रवृत्तियॉ और उनके मूर्तिशिल्प, रामकिंकर बैज, प्रदोष दास गुप्ता।

चिन्तामनीकर।

यूनिट–3.

विभिन्न प्रवृत्तियों के मूर्तिकार, धनराज भगत, शंखों चौधरी, एस0धनपाल, पी0वी0जानकीराम अमरनाथ सहगल।

यूनिट–4.

मिश्रित माध्यम में कार्य करने वाले मूर्तिकार।

M.F.A-Second Year (Sculpture)
Third Semester
Second Paper-Modern and Contemporary History of Scultpure

Marks-100
Time-3-Hours

Unit-1

- The origin of Modern Concept in Indian Sculpture.

Unit-2

- Main Artist, Ram Kinkar Baiz, Pradosh Das Gupta.
- Chintamanikar.

Unit-3

- Scuulpture of Different Attitudes, Dhanraj Baghat, Shankho Chaudhary, S.Dhanpal, P.V.Jankiram, Amarnath Sehgal.

Unit-4

- Sculputure of Mix Medium.

प्रायोगिक– पाठ्यक्रम
एम0एफ0ए0– तृतीय सेमेस्टर (मूर्तिकला)

क0सं	विषय का नाम	अंक
1.	मिश्रित में मूर्तिशिल्पों का निर्माण (प्रस्टर, धातु, टेरोकोटा)	100
2.	ड्राइंग एवं स्केच	100
3.	प्रायोगिक कार्य का प्रदर्शनी	50
4.	पोर्टफोलियों	50
		300

Practical

Third Semester- Sculpture

S.N.	Subject Name	Marks
1	Sculpture Making in Mix medium (Stone, Metal, Terracotta)	100
2	Drawing & Sketch	100
3	Display of work (Internal Valuation)	50
4	Portfolio (Internal Valuation)	50
		300

Fine Art- M.F.A-Sculpture-Syllabus

पाठ्यक्रम

एम0एफ0ए0–द्वितीय खण्ड (मूर्तिकला)

चर्तुथ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त (देखें पाठ्यक्रम)
द्वितीय प्रश्न पत्र–आधुनिक एवं समकालीन भारतीय मूर्तिकला का इतिहास

अंक–100
समय– 03 घण्टा

यूनिट–1.

स्मारकीय मूर्तिशिल्प और मूर्तिकार।

यूनिट–2.

प्रस्तर मूर्तिकला और मूर्तिकार।

यूनिट–3.

धातु मूर्तिकला और मूर्तिकार।

यूनिट–4.

विभिन्न माध्यम में कार्य करने वाले मूर्तिकार।

M.F.A-Second Year (Sculpture)

Fourth Semester-Second Paper

Modern & Contemporary History of Sculpture

Marks-100
Time-3-Hours

Unit-1

Monumental Sculpture and Sculptors.

Unit-2

Stone Sculpture and Sculptors.

Unit-3

Metal Sculpture and Sculptors.

Unit-4

Sculptores of different medium .

Fine Art- M.F.A- Syllabus

प्रायोगिक

एम0एफ0ए0–चतुर्थ सेमेस्टर (मूर्तिकला)

क0सं	विषय का नाम	अंक
1.	किसी एक माध्यम में मूर्तिशिल्प का निर्माण (प्रस्टर,धातु,फाइबर ग्लास)	100
2.	ड्राइंग एवं स्केच	100
3.	प्रायोगिक कार्य का प्रदर्शनी	50
4.	पोर्टफोलियों	50
		300

Practical

Fourth Semester- Sculpture

S.N.	Subject Name	Marks
1	Sculpture in any One medium (Stone, Metal, Fiber glass)	100
2	Drawing & Sketch	100
3	Display of work (Internal Valuation)	50
4	Portfolio (Internal Valuation)	50
		300

Fine Art- M.F.A Syllabus